



राजस्थान

सीनियर सैकण्डरी स्तर

सामान्य पात्रता परीक्षा (CET)

भाग - 4

सामान्य हिन्दी एवं अंग्रेजी



विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	संधि	1
2	समास	13
3	उपसर्ग	23
4	प्रत्यय	27
5	पर्यायवाची शब्द	32
6	विलोम शब्द	37
7	अनेकार्थी शब्द	43
8	शब्द युग्म	47
9	संज्ञा	55
10	सर्वनाम	57
11	विशेषण	59
12	क्रिया	62
13	अव्यय एवं अविकारी शब्द	65
14	वाक्य शुद्धि	69
15	वर्तनी शुद्धि	73
16	वाक्य के एक शब्द	78
17	मुहावरे	86
18	लोकोक्तियाँ	94
19	पारिभाषिक शब्दावली	101
20	पत्र लेखन	113
21	Tense (काल)	130
22	Voice (वाच्य)	137
23	Narration (कथन)	144

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	Article (लेख)	151
25	Preposition (उपसर्ग)	158
26	Important Synonyms and Antonyms (विलोम और पर्यायवाची शब्द)	172
27	One Word Substitution (एक शब्द प्रतिस्थापन)	180
28	Reading Comprehension (अपठित गद्यांश)	185
29	Letter Writing (पत्र लेखन)	196

1

CHAPTER

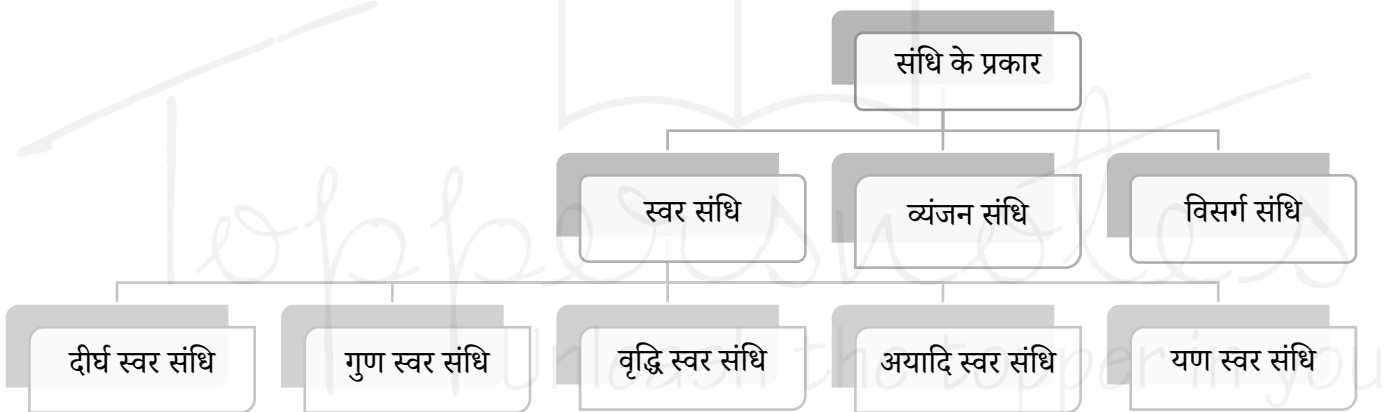
संधि



- संधि शब्द का अर्थ है - **वर्ण विकार**।
- दो वर्णों या ध्वनियों के परस्पर व्यवधान रहित संयोग से होने वाले परिवर्तन (विकार) को **संधि** कहते हैं।

उदाहरण के रूप में → विद्यालय = विद्या + आलय

- अर्थात् **विद्या** शब्द का अंतिम वर्ण में “आ” और **आलय** का प्रारम्भिक वर्ण “आ” के समीप आने पर दो दीर्घ वर्णों के स्थान पर एक “आ” वर्ण रूप में **एकादेश** हो जाता है।
- **श्री किशोरी दास वाजपेयी के अनुसार**, “जब दो या अधिक वर्ण पास-पास आते हैं तो कभी-कभी उनमें रूपांतर हो जाता है। इसी रूपांतर को संधि कहते हैं।”
- दूसरी तरफ, इस परिवर्तन से इन ध्वनियों या वर्णों को पुनः अपने मूल रूप में लाने की प्रक्रिया **संधि-विच्छेद** कहलाती है।
- **उदाहरण स्वरूप -**
 - ✓ **संधि** : महा + ईश = महेश [आ + ई = ए (यही परिवर्तन/विकार है)]
 - ✓ **संधि-विच्छेद**: महेश = महा + ईश (पुनः अपने मूल रूप में)



स्वर संधि

- दो **स्वरो के मेल** से उत्पन्न होने वाले विकार या परिवर्तन को **स्वर संधि** कहते हैं।

उदाहरण के लिए - भाव + अर्थ = भावार्थ

- यहाँ 'भाव' शब्द का अंतिम स्वर 'अ' एवं 'अर्थ' शब्द का पहला स्वर 'अ', दोनों स्वरो के) से 'आ' स्वर की उत्पत्ति हुई, जिससे 'भावार्थ' शब्द का निर्माण हुआ। स्वरो के ऐसे मेल को स्वर-संधि कहते हैं।

दीर्घ स्वर संधि :

- दो समान स्वर मिलकर जब दीर्घ स्वर में बदल जाते हैं तो वहाँ **दीर्घ स्वर संधि** होती है।
या
- यदि ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ तथा 'ऋ' स्वरो के पश्चात् ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ या ऋ स्वर आएँ तो दोनों मिलकर क्रमशः आ, ई, ऊ तथा ऋ हो जाते हैं।

उदाहरण :

स्वर	उदाहरण शब्द	संधि से बना नया शब्द
अ + अ = आ	दैत्य + अरि अन्य + अन्य मध्य+अवधि दिवस + अवसान दीप + अवली समान + अधिकार कल्प + अंत स + अवधान मार्त + अण्ड दिन + अन्त सुख + अन्त अन्न + अभाव सह + अनुभूति पर + अधीन उत्तर + अयन अधिक + अंश पाठ + अंतर	दैत्यारी अन्यान्य मध्यावधि दिवसावसान दीपावली समानाधिकार कल्पान्त सावधान मार्तण्ड दिनान्त सुखान्त अन्नाभाव सहानुभूति पराधीन उत्तरायण अधिकांश पाठान्तर
अ + आ = आ	देव + आनन्द पुस्तक + आलय भोजन + आलय देव + आलय न्याय + आलय पत्र + आलय मरण + आसन्न हिम + आलय शिव + आलय	देवानन्द पुस्तकालय भोजनालय देवालय न्यायालय पत्रालय मरणासन्न हिमालय शिवालय
आ + अ = आ	विद्या + अर्थी तथा+अपि महा + अर्णव परीक्षा + अर्थी यथा + अर्थ विद्या + अभ्यास आज्ञा + अनुसार तथा + अस्तु	विद्यार्थी तथापि महार्णव परीक्षार्थी यथार्थ विद्याभ्यास आज्ञानुसार तथास्तु

आ + आ = आ	विद्या + आलय श्रद्धा + आनंद	विद्यालय श्रद्धानंद
इ + इ = ई	कवि + इन्द्र रवि + इंद्र अभि + इष्ट अति + इव	कवीन्द्र रवीन्द्र अभीष्ट अतीव
ई + इ = ई	मही + इन्द्र शची + इंद्र फणी+ इन्द्र सुधी + इन्द्र देवी + इच्छा	महीन्द्र शचींद्र फणीन्द्र सुधीन्द्र देवीच्छा
इ + ई = ई	गिरि + ईश कपि + ईश परि + ईक्षा हरि + ईश मही + ईश	गिरीश कपीश परीक्षा हरीश महीश
ई + ई = ई	रजनी + ईश पृथ्वी + ईश फणी + ईश्वर नारी + ईश्वर	रजनीश पृथ्वीश फणीश्वर नारीश्वर
उ + उ = ऊ	भानु + उदय गुरु + उपदेश सु + उक्ति	भानूदय गुरूपदेश सूक्ति
उ + ऊ = ऊ	वसु + उत्सव अम्बु + ऊर्मि धातु + ऊष्मा	वसूत्सव अंबूर्मि धातूष्मा
ऊ + ऊ = ऊ	भू + ऊर्जा वधू + ऊर्मि भू + ऊर्ध्व	भूर्जा वधूर्मि भूर्ध्व
ऋ + ऋ = ऋ	पितृ + ऋण	पितृण

गुण संधि :

- इस संधि के तहत यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'इ' या 'ई' की ध्वनि आती है तो वह 'ए' में बदल जाती है, 'उ' या 'ऊ' की ध्वनि आती है तो वह 'ओ' में बदल जाती है तथा 'ऋ' की ध्वनि आती है तो वह 'अर्' में बदल जाती है।
- अ, ए एवं ओ वर्णों को 'गुण' वर्ण कहा जाता है।

उदाहरण :

स्वर	शब्द	नया शब्द (संधि)
अ + इ = ए	देव + इन्द्र	देवेन्द्र
अ + ई = ए	प्र + इषिति	प्रेषिति
आ + इ = ए	प्र + इत	प्रेत
आ + ई = ए	शुभ + इच्छा	शुभेच्छा
	राम + इन्द्र	रमेन्द्र
	गण + ईश	गणेश
	खग + ईश	खगेश
	यथा + इष्ट	यथेष्ट
	राजा + इन्द्र	राजेन्द्र
	रमा + ईश	रमेश
	नर + इन्द्र	नरेन्द्र
	सुर + इंद्र	सुरेन्द्र
	उप + इन्द्र	उपेन्द्र
	जित + इन्द्रिय	जितेन्द्रिय
	परम + ईश्वर	परमेश्वर
	महा + ईश्वर	महेश्वर
	देव + ईश	देवेश
	महा + इन्द्र	महेन्द्र
	नर + ईश	नरेश
	नाग + ईश	नागेश
	भुवन + ईश्वर	भुवनेश्वर
	सुर + ईश	सुरेश
	भारत + इंद्र	भारतेन्द्र
	हृषीक + ईश	हृषीकेश
अ + उ = ओ	वीर + उद्धत	वीरोद्धत
	प्र + उत्साहन	प्रोत्साहन
	पुष्प + उद्यान	पुष्पोद्यान
	प्राप्त + उदक	प्राप्तोदक
	वन + उत्सव	वनोत्सव
	हिम + उपल	हिमोपल
	पूर्ण + उपमा	पूर्णोपमा
	सर्व + उदय	सर्वोदय
	सांग + उपांग	सांगोपांग
	दीप + उत्सव	दीपोत्सव
	सूर्य + उदय	सूर्योदय
	सर्व + उत्तम	सर्वोत्तम
	कर्ण + उद्धार	कर्णोद्धार
	चन्द्र + उदय	चन्द्रोदय
	पर + उपकार	परोपकार

अ + ऊ = ओ	जल + ऊर्मि प्र + ऊढ़ नव + ऊढ़ा अक्ष + ऊहिनी	जलोर्मि प्रौढ़ नवोढ़ा अक्षौहिणी
आ + उ = ओ	महा + उत्सव महा + उदधि यथा + उचित महा + उदय महा + उर्मि	महोत्सव महोदधि यथोचित महोदय महोर्मि
आ + ऊ = ओ	गंगा + ऊर्मि यमुना + ऊर्मि	गंगोर्मि यमुनोर्मि
अ + ऋ = अर्	कपट + ऋषि अधम + ऋण देव + ऋषि राज + ऋषि सप्त + ऋषि	कपटर्षि अधर्मण देवर्षि राजर्षि सप्तर्षि
आ + ऋ = अर्	महा + ऋषि	महर्षि

वृद्धि संधि :

- इस संधि के तहत यदि 'अ' या 'आ' के बाद 'ए' या 'ऐ' की ध्वनि आती है तो वह 'ऐ' में और यदि 'ओ' या 'औ' की ध्वनि आती है तो वह 'औ' में बदल जाती है।
- आ, ऐ एवं औ वर्णों को 'वृद्धि' वर्ण कहते हैं।

उदाहरण :

संधि	शब्द	नया शब्द (संधि फल)
अ + ए = ऐ	एक + एक जीव + एषणा	एकैक जीवैषणा
अ + ऐ = ऐ	परम + ऐश्वर्य भाव + ऐक्य मत + ऐक्य तत्र + एव विश्व + ऐक्य	परमैश्वर्य भावैक्य मतैक्य तत्रैव विश्वैक्य
आ + ए = ऐ	सदा + एव तथा + एव	सदैव तथैव
आ + ऐ = ऐ	महा + ऐश्वर्य विद्या + ऐश्वर्य	महैश्वर्य विद्यैश्वर्य

अ + ओ = औ	परम + ओज	परमौज
आ + ओ = औ	महा + ओजस्वी महा + औदार्य	महौजस्वी महौदार्य
अ + औ = औ	वन + औषधि	वनौषधि
आ + औ = औ	महा + औषध	महौषध

यण् संधि :

- इस संधि के अंतर्गत यदि 'इ' या 'ई', 'उ' या 'ऊ'
तथा ऋ के बाद कोई भिन्न स्वर आता है तो वे
निम्नानुसार परिवर्तित हो जाते हैं -
✓ इ / ई → य्,
✓ उ / ऊ → व्,
✓ ऋ → र्।
- साथ ही बाद वाले शब्द के पहले स्वर की मात्रा य्, व्, र्
में लग जाती है।
- वि + अव + हार = व्यवहार (इसमें 'अव' मूल शब्द
'वि' उपसर्ग तथा 'हार' प्रत्यय है।)

उदाहरण :

संधि का नियम	संधि-विच्छेद (मूल शब्द)	नया शब्द (संधि- फल)
इ + अ = 'य्'	अति + अधिक यदि + अपि प्रति+अय प्रति + अंग गति + अवरोध अभि + अर्थी वि + अभिचार रीति + अनुसार इति + अर्थ वि + अर्थ अति + अल्प अनु + अय	अत्यधिक यद्यपि प्रत्यय प्रत्यंग गत्यवरोध अभ्यर्थी व्यभिचार रीत्यनुसार इत्यर्थ व्यर्थ अत्यल्प अन्वय

इ + आ = य	इति + आदि वि + आकुल अति + आवश्यक प्रति + आरोपण वि + आयाम अति + आचार	इत्यादि व्याकुल अत्यावश्यक प्रत्यारोपण व्यायाम अत्याचार
ई + अ = 'य्'	नदी + अर्पण देवी + अर्पण देवी + अर्थ	नद्यर्पण देव्यर्पण देव्यर्थ
ई + आ = य	नदी + आगम देवी + आगम सरस्वती + आराधन	नद्यागम देव्यागम सरस्वत्याराधन
इ + उ = यु	अति + उत्तम प्रति + उपकार प्रति + उत्तर अति + उक्ति अति + उत्तम अभि + उदय उपरि + उक्त	अत्युत्तम प्रत्युपकार प्रत्युत्तर अत्युक्ति अत्युत्तम अभ्युदय उपर्युक्त'
ई + उ = यु	सखी + उचित स्त्री + उपयोगी	सख्युचित स्त्र्युपयोगी
इ + ऊ = यू	अति + ऊष्म नि + ऊन	अत्यूष्म न्यून
ई + ऊ = यू	नदी + ऊर्मि	नद्यूर्मि
इ + ए = ये	प्रति + एक देवी + एकता	प्रत्येक देव्येकता
इ + ऐ = यै	देवी + ऐश्वर्य	देव्यैश्वर्य
इ + ओ = यो	दधि + ओदन	दध्योदन
उ + अ = व्	सु + अच्छ सु + अल्प मधु + अरि	स्वच्छ स्वल्प मध्वरि
उ + आ = वा	सु + आगत गुरु + आश्रम	स्वागत गुर्वाश्रम
ऊ + आ = वा	भू + आदि वधू + आगमन	भ्वादि वध्वागमन
उ + ए = वे	अनु + एषण	अन्वेषण

उ + इ = वि	अनु + इति धातु + इक	अन्विति धात्विक
ऊ + इ = वि	वधू + इच्छा	वध्विच्छा
ऋ + अ = र्	पितृ + अनुमति	पित्रनुमति
ऋ + आ = र	पितृ + आज्ञा मातृ + आज्ञा मातृ + आनन्द पितृ + आदेश	पित्राज्ञा मात्राज्ञा मात्रानन्द पित्रादेश
ऋ + इ = रि	मातृ + इच्छा	मात्रिच्छा
ऋ + उ = रु	भ्रातृ + उपकार	भ्रात्रुपकार

अयादि संधि :

- यदि 'ए' या 'ऐ' और 'ओ' या 'औ' के बाद कोई भिन्न स्वर आता है तो निम्न रूप से विकार देखने को मिलता है।
 - ✓ ए → अय् में,
 - ✓ ऐ → आय् में,
 - ✓ ओ → अव्
 - ✓ औ → आव्

उदाहरण :

संधि का नियम	संधि-विच्छेद (मूल शब्द)	नया शब्द (संधि-फल)
ए + अ = अय	ने + अन शे + अन चे + अन	नयन शयन चयन
ऐ + अ = आय	नै + अक गै + अक गै + अन	नायक गायक गायन
ओ + अ = अव	पो + अन	पवन
ओ + इ = अवि	पो + इत्र	पवित्र
औ + अ = आव	पौ + अक श्रौ + अन श्रौ + अक	पावक श्रावण श्रावक
औ + ई = आवि	नौ + इक	नाविक
औ + उ = आवु	भौ + उक	भावुक

व्यंजन संधि

- किसी व्यंजन का किसी अन्य व्यंजन या स्वर के साथ मेल होने पर ध्वनियों में उत्पन्न होने वाले विकार को ही व्यंजन संधि कहते हैं।
- व्यंजन संधि का अन्य नाम (संस्कृत में) - हल् संधि

व्यंजन संधि के कुछ नियम			
संधि का नियम	नियम	संधि-विच्छेद	संधि-फल
1. यदि प्रत्येक वर्ग के पहले वर्ण अर्थात् 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के बाद किसी वर्ग का तृतीय या चतुर्थ वर्ण आए या य, र, ल, व या कोई स्वर आए तो 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के स्थान पर अपने ही वर्ग का तीसरा वर्ण अर्थात् 'ग', 'ज', 'ड', 'द', 'ब', हो जाता है।	क् → ग्, च् → ज्, ट् → ड्, त् → द्, प् → ब्	वाक् + ईश वाक् + ईश्वर दिक् + गज दिक् + दर्शन दिक् + अंबर वाक् + दान सत् + वाणी अच् + अंत अप् + इंधन तत् + रूप जगत् + आनंद	वागीश वागीश्वर दिग्गज दिग्दर्शन दिग्ंबर वाग्दान सद्वाणी अजंत अभिंधन तद्रूप जगदानंद

		सत् + भावना षट् + आनन सत् + गति उत् + ज्वल तत् + अनन्तर उत् + गम उत् + योग जगत् + ईश षट्+रिपु कृत् + अंत जगत् + अंबा सत् + धर्म सुप् + अन्त उत् + विग्न सत् + आनन्द अप् + धि दिक् + अन्त तत् + अनुकूल	सद्भावना षडानन सद्गति उज्ज्वल तदनन्तर उद्गम उद्योग जगदीश षड्रिपु कृदन्त जगदम्बा सद्धर्म सुबंत उद्विग्न सदानन्द अब्धि दिगन्त तदनुकूल
2. यदि प्रत्येक वर्ग के पहले वर्ण अर्थात् 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' के बाद 'न' या 'म' आए तो 'क्' 'च्' 'ट्' 'त्' 'प्' अपने वर्ग के पंचम वर्ण अर्थात् ङ, ज, ण, न, म् में बदल जाते हैं।	क्→ङ्, च्→ञ्, ट्→ण्, त्→न्, प्→म्	वाक् + मय षट् + मास जगत् + नाथ अप् + मय तत् + मय सत् + मार्ग उत् + नति उत् + नयन दिक् + नाग षट् + मुख सत् + निवेश दिक् + मण्डल विद्धत् + मूर्ति	वाङ्मय षण्मास जगन्नाथ अम्मय तन्मय सन्मार्ग उन्नति उन्नयन दिङ्नाग षण्मुख सन्निवेश दिङ्मण्डल विद्धन्मूर्ति
3. यदि 'म्' के बाद कोई स्पर्श व्यंजन आए तो 'म' जुड़ने वाले वर्ण के वर्ग का पंचम वर्ण या अनुस्वार हो जाता है। (अपवाद- सम् + कृत = संस्कृत सम् + कृति = संस्कृति)	म् → अनुस्वार/पंचम	अहम् + कार किम् + चित् सम् + गम सम् + तोष सम् + चय सम् + मान किम् + कर किम् + नर	अहंकार किंचित् संगम संतोष संचय सम्मान किंकर किन्नर

		सम् + कल्प सम् + पूर्ण पम् + चम अकिम् + चन दिवम् + गत परम् + तु सम् + तप्त सम् + मति अवश्यम् + भावी सम् + शय सम् + विधान	संकल्प संपूर्ण पंचम अकिञ्चन दिवङ्गत परन्तु संतप्त सम्मति अवश्यम्भावी संशय संविधान
4. यदि म् के बाद य, र, ल, व, श, ष, स, ह में से किसी भी वर्ण का मेल हो तो 'म' के स्थान पर अनुस्वार ही लगेगा।	म् → (अनुस्वार)	सम् + योग सम् + रचना सम् + वाद सम् + सार सम् + रक्षण सम् + हार	संयोग संरचना संवाद संसार संरक्षण संहार
5. यदि त् या द् के बाद 'ल', 'ट', 'ड' रहे तो 'त्' या 'द्' क्रमशः 'ल्', 'ट्', 'ड्' में बदल जाता है।	त्/द् + ल → ल्	उत् + लास उद् + लेख तत् + लीन उद् + लाघ उत् + लंघन तडित् + लेखा तत् + टीका	उल्लास उल्लेख तल्लीन उल्लाघ उल्लंघन तडिल्लेखा तट्टीका
6. यदि 'त्' या 'द्' के बाद 'ज' / 'झ' या 'म' हो तो 'त्' या 'द्' क्रमशः 'ज्' या 'न्', में बदल जाता है।	त्/द् → ज्	सत् + जन उद् + झटिका विपत् + जाल जगत् + जीवन शरद् + माला उपनिषद् + मीमांसा जगत् + जननी	सज्जन उज्झटिका विपज्जाल जगज्जीवन शरन्माला उपनिषन्मीमांसा जगज्जननी
7. यदि 'त्' या 'द्' वर्ण के बाद 'श' वर्ण आता है, तो 'त्' या 'द्' का परिवर्तन 'च्' में हो जाता है और 'श' का परिवर्तन 'छ' में हो जाता है।	त्/द् → च् श → छ्	उद् + श्वास उद् + शिष्ट सत् + शास्त्र मृद् + शकटिक विद्युत् + शक्ति तत् + शंकर	उच्छ्वास उच्छिष्ट सच्छास्त्र मृच्छकटिक विद्युच्छक्ति तच्छंकर

8. यदि 'त्' या 'द्' के बाद 'च' या 'छ' हो तो 'त्' या 'द्' का 'च्' हो जाता है।	त्/द् → च्	उत् + चारण सत् + चरित्र वृहत् + चयन उत् + छिन्न सत् + चित सत् + चित् + आनन्द	उच्चारण सच्चरित्र वृहच्चयन उच्छिन्न सच्चित सच्चिदानन्द (नियम=1+8)
9. 'त्' या 'द्' के बाद यदि 'ह' हो तो 'त्' एवं 'द्' के स्थान पर 'दू' और 'ह' के स्थान पर 'ध' हो जाता है।	त्/द् → दू ह → ध	तत् + हित उत् + हार पद् + हति	तद्धित उद्धार पद्धति
10. जब पहले पद के अंत में स्वर हो और आगे के पद का पहला वर्ण 'छ' हो तो 'छ' के स्थान पर 'च्छ' हो जाता है।	छ → च्छ	अनु + छेद परि + छेद आ + छादन संधि + छेद स्व + छंद वृक्ष + छाया श्री + छाया प्र + छन्न लक्ष्मी + छाया मातृ + छाया	अनुच्छेद परिच्छेद आच्छादन संधिच्छेद स्वच्छंद वृक्षच्छाया श्रीच्छाया प्रच्छन्न लक्ष्मीच्छाया मातृच्छाया
11. यदि किसी शब्द के अंत में 'अ' या 'आ' को छोड़कर कोई अन्य स्वर आए एवं दूसरे शब्द के आरंभ में 'स' हो तो 'स' के स्थान पर 'ष' हो जाता है।	स → ष	अभि + सेक वि + सम नि + सिद्ध सु + सुप्ति वि + साद सु + स्मिता	अभिषेक विषम निषिद्ध सुषुप्ति विषाद सुष्मिता
12. ऋ, र, ष के बाद जब कोई स्वर, कोई 'क' वर्गीय या 'प' वर्गीय वर्ण, अनुस्वार अथवा य, व, ह में से कोई वर्ण आए तो अंत में आने वाला 'न', 'ण' हो जाता है।	न → ण	भर् + अन भूष् + अन राम + अयन प्र + मान	भरण भूषण रामायण प्रमाण
13. यदि 'अहन्' शब्द के बाद 'र' आए तो 'अहन्' का 'अहो' हो जाता है	अहन् + र = अहो	अहन् + रात्रि अहन् + रूप	अहोरात्र अहोरूप
14. यदि 'द्' के बाद 'क-ख', 'त-थ', 'प-फ', 'श-ष' आए तो 'द्' अपने ही वर्ग के प्रथम व्यंजन 'त्' में बदल जाता है	द् → त्	तद् + पर सद् + कार उद् + साह	तत्पर सत्कार उत्साह

15. 'इ/उ' के बाद 'स्त', 'स्थ', 'स्न' आए तो उनका क्रमशः 'ष्ट', 'ष्ठ', 'ष्ण' हो जाता है	स → ष	नै + स्थिक नि + सन्न	नैष्ठिक निष्पन्न
16. यदि 'ऋ', 'र', 'ष' के बाद 'न' आए तो 'न' 'ण' में बदल जाता है	न → ण	परि + नय परि + नाम	परिणय परिणाम
17. यदि प्रथम वर्ण + घोष वर्ण (पंचम वर्ण को छोड़कर) आये तो प्रथम वर्ण अपने वर्ग के तृतीय वर्ण में रूपांतरित हो जाएगा		ऋक् + वेद'	ऋग्वेद
	त् + आ = द्	सत् + आनन्द	सदानन्द
18. व्यंजन संधि में यदि त् \ + ट आये तो त् का ट्, त् \ + ड आये तो त् का ड् तथा त् \ + ल् आये तो त् का ल् हो जाएगा।		उत् + डयन	उड्डयन

विसर्ग संधि

- जब विसर्ग (:) के साथ स्वर या व्यंजन का मेल होता है तो इससे शब्द में विकार या परिवर्तन हो जाता है जिसे 'विसर्ग संधि' कहते हैं।

विसर्ग संधि के नियम			
संधि का नियम	नियम	संधि-विच्छेद	संधि-फल
1. यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और बाद में 'अ' हो तो दोनों का विकार 'ओ' हो जाता है।	अः + अ = ओ	मनः + अनुकूल यशः + अभिलाषा अन्यः + अन्य मनः + अनुसार	मनोनुकूल यशोभिलाषा अन्योन्य मनोनुसार
2. यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और बाद वाले शब्द का पहला अक्षर 'अ' हो तो विसर्ग का लोप हो जाता है।	अः + अ = अ (विसर्ग लोप)	अतः + एव यशः + इच्छा	अतएव यशइच्छा
3. यदि विसर्ग के पहले 'अ' हो और बाद में किसी वर्ग का तृतीय/चतुर्थ वर्ण अथवा म, य, र, ल, व, ह आए तो विसर्ग 'ओ' में बदल जाता है।	अः + (ग, घ, द, ध, य, र, ल, व ...) = ओ	मनः + हर तपः + वन तमः + गुण पयः + द सरः + वर वयः + वृद्ध वयोः + वेग तेजः + बल यशः + धरा मनः + रथ	मनोहर तपोवन तमोगुण पयोद सरोवर वयोवृद्ध वयोवेग तेजोबल यशोधरा मनोरथ

		मनः + रंजन यशः + दा मनः+ दशा रजः + दर्शन यशः + वर्मन नभः + मण्डल अन्ततः + गत्वा सरः + ज यशः + भूमि शिरः + भाग तपः + भूमि मनः + विकार शिरः + रेखा तिरः + धान रजः + भव	मनोरंजन यशोदा मनोदशा रजोदर्शन यशोवर्मन नभोमण्डल अंततोगत्वा सरोज यशोभूमि शिरोभाग तपोभूमि मनोविकार शिरोरेखा तिरोधान रजोभव
4. यदि विसर्ग के बाद अ के अतिरिक्त कोई अन्य स्वर अथवा किसी वर्ग का तृतीय, चतुर्थ या पंचम वर्ण हो या 'य' 'ल' 'व' 'ह' हो तो विसर्ग के स्थान पर 'र्' हो जाता है।	विसर्ग → र्	अंतः + ध्यान दुः + उपयोग आयुः + वेद ज्योतिः + मय चतुः + दिशि पुनः + जन्म निः + आहार निः + जल निः + धन दुः + आत्मा निः + लोभ आशीः + वाद आशीः + वचन दुः + गुण दुः + गंध दुः + ऊह निः + आशा दुः + दशा निः + भय निः + उपाय निः + गुण निः + मल पुनः + उक्ति बहिः + एकता	अंतर्धान दुरुपयोग आयुर्वेद ज्योतिर्मय चतुर्दिश पुनर्जन्म निराहार निर्जल निर्धन दुरात्मा निलोभ आशीर्वाद आशीर्वचन दुर्गुण दुर्गंध दुरूह निराशा दुर्दशा निर्भय निरुपाय निर्गुण निर्मल पुनरुक्ति बहिरेकता

5. यदि विसर्ग के बाद 'च'/'छ' या तालव्य 'श' हो तो विसर्ग 'श्' में बदल जाता है।	विसर्ग → श्	पुनः + च तपः + चर्या यशः + शरीर मनः + चिकित्सा निः + चय निः + छल निः + चल हरिः + चन्द्र	पुनश्च तपश्चर्या यशश्शरीर मनश्चिकित्सा निश्चय निश्छल निश्चल हरिश्चंद्र
6. यदि विसर्ग के पहले 'अ' या 'आ' हो और बाद में 'त' या दंत्य 'स' हो तो विसर्ग का 'स्' हो जाता है।	विसर्ग → स्	परः + पर नमः + ते मनः + ताप दुः + तर चन्द्रः + तम	परस्पर नमस्ते मनस्ताप दुस्तर चन्द्रस्तम
7. यदि विसर्ग के पहले 'इ' या 'उ' स्वर हो और बाद में 'क/ख/प/फ' वर्ण हो तो विसर्ग मूर्धन्य 'ष्' में बदल जाता है।	विसर्ग → ष्	आविः + कार परिः + कृत चतुः + पाद निः + कपट दुः + प्रकृति दुः + कर्म दुः + कर दुः + परिणाम निः + प्राण निः + फल निः + काम निः + पाप	आविष्कार परिष्कृत चतुष्पाद निष्कपट दुष्प्रकृति दुष्कर्म दुष्कर दुष्परिणाम निष्प्राण निष्फल निष्काम निष्पाप
8. यदि विसर्ग के पहले 'अ' या 'आ' हो और बाद में 'क/ख' अथवा 'प/फ' हो तो विसर्ग 'स्' में बदल जाता है	विसर्ग → स्	पुरः + कार नमः + कार श्रेयः + कर तिरः + कार भाः + कर	पुरस्कार नमस्कार श्रेयस्कर तिरस्कार भास्कर
9. यदि विसर्ग के पहले 'इ' या 'उ' स्वर हो और बाद में 'र्' हो तो विसर्ग से पहले के 'इ' या 'उ' स्वर क्रमशः 'ई' या 'ऊ' में बदल जाते हैं	दीर्घीकरण	निः + रव निः + रस निः + रोग निः + रज	नीरव नीरस नीरोग नीरज

10. विसर्ग + ट/ठ = विसर्ग का 'ष्' में परिवर्तन	विसर्ग → ष्	धनुः + टंकार	धनुष्टंकार
11. विसर्ग + त/थ = विसर्ग का 'स्' में परिवर्तन	विसर्ग → स्	निः+ तार निः + तेज इतः + ततः	निस्तार निस्तेज इतस्ततः
12. विसर्ग + श/स = विसर्ग का क्रमशः 'श'/'स्' में परिवर्तन	विसर्ग → श/स्	निः + सन्देह दुः + शासन दुः + साहस	निस्सन्देह दुश्शासन दुस्साहस
13. यदि विसर्ग से पहले 'अ' हो और बाद में 'क/ख' या 'प/फ' हो तो विसर्ग सुरक्षित रहता है	विसर्ग → :	मनः + कामना अन्तः + करण प्रातः + काल पुनः + प्राप्ति	मनःकामना अन्तःकरण प्रातःकाल पुनःप्राप्ति



ToppersNotes
Unleash the topper in you

21

CHAPTER

Tense



Tense:

a. Tense indicates both the **time and the state** of the action. (Tense समय के साथ क्रिया की state के बारे में बताता है)

Types of tenses:

Tense	Name of the Tense	हिंदी में पहचान	Helping Verbs	Form of Verb
Present	Present Indefinite	ता है , ती है	Hidden in verb (do/does)	V ₁ +s or es
	Present Continuous	रहा है, रही है, रहे हैं	is/am/are	V ₁ + ing
	Present Perfect	चुका है, चुकी है, चुके हैं	has/have	V ₃
	Present Perfect Continuous	से रहा है, से रही है, से रहे हैं	has been/ have been	V ₁ + ing
Past	Past Indefinite	था, थी, थे	Hidden in verb (did)	V ₂
	Past Continuous	रहा था, रही थी, रहे थे	was/were	V ₁ + ing
	Past Perfect	चुका था, चुकी थी, चुके थे	had	V ₃
	Past Perfect Continuous	से रहा था, से रही थी, से रहे थे	had been	V ₁ + ing
Future	Future Indefinite	गा , गे, गी	will/shall	V ₁
	Future Continuous	रहा होगा, रही होगी,	will/shall	be V ₁ + ing
	Future Perfect	चुका होगा, चुकी होगी	will/shall	have V ₃
	Future Perfect Continuous	से रहा होगा , से रही होगी	will/shall	have been V ₁ + ing

Action:

1. **At a time** → regular action → **Indefinite tense**
2. **Continue** → continues action → **Continuous tense**
3. **Done** → action is complete → **Perfect tense**
4. **Action continues with particular time** → **Perfect continuous tense**

Indefinite tense:

Present Indefinite tense:

- The present indefinite tense (also called simple present tense) is used to describe actions or situations that are **habitual, general truths, or facts** those are always true.

➤ **Structure**

1	Positive form	Subject + V ₁ / V1+s/es + Object
2	Negative form	Subject + do/does + not + V ₁ + Object
3	Interrogative form	Do/does + subject + V ₁ + Object?

Rule 1: Present Indefinite tense का प्रयोग निम्नलिखित जगहों या शर्तों पर किया जाता है।

- ✓ **Regular activity:** Daily/ always / Regularly → He always writes a poem.
- ✓ **Universal truth:** → The sun rises in the east.
- ✓ **Hobby / Habit:** → I play the guitar.
- ✓ **Permanent activity:** Every day / every night → I read a novel once a week.
- ✓ **Newspaper headlines / sports commentary:** → Sachin strikes the ball beautifully.
- ✓ **Temporary action:** → I am at work.
- ✓ **Emotions / feeling:** Angry/ Hate/ Love/ Fond / Think etc.

Example

- a. Do you want me to come with you to the dentist?
- b. We must go tomorrow because the bank is not open on Mondays.
- c. He goes every day for a morning walk.
- d. Honesty is the best policy.

Rule 2: Time expressing adverb के साथ हमेशा present indefinite tense का प्रयोग किया जाता है

- **Time expressing adverb:** Never, hardly, scarcely, seldom, often, always, often, regularly, once a day.

Example

- a. She always plays the piano in the evening.
- b. They rarely visit their grandparents.

Rule 3: If, unless, until, as soon as, as long as, as for as, में Future tense की बात की जाये तो हमेशा present indefinite tense होता है

Example

- a. Unless aid arrives within the next few weeks thousands will starve.
- b. If I come, I shall help him.

Rule 4: यदि future planning fixed है तो उसे present indefinite में बताते हैं।

Example

- a. The PM leaves for Mumbai next month.

Past indefinite tense:

- The past indefinite tense, also known as the simple past tense, is used to describe **actions those happened and were completed at a specific point** in the past.

➤ **Structure**

1	Positive form	Subject + V ₂ + Object
2	Negative form	Subject + did + not + V ₁ + Object
3	Interrogative form	Did + subject + V ₁ + Object?

Rule 1: Past time expressing adverb के साथ past indefinite tense का प्रयोग किया जाता है।

- **Past time expressing adverb:**, ago, the day before, last, yesterday, previous night etc.

Example

- a. The thieves entered a house at night and decamped with valuables worth Rs. 50,000.
- b. She hung up the clothes in the closet.
- c. Did you bake the chocolate cake yourself that time?

Rule 2: It's time, It's high time, It's about time, by the time के साथ past indefinite tense का प्रयोग होता है।

Example

- She had left by the time I reached home.
- It's high time we renovated our old house.
- It's time she went to the school to bring her children.

Rule 3: Past habit को बताने के लिए past indefinite का प्रयोग किया जाता है या **used to** और **would** के साथ V₁ का प्रयोग होता है।

Example

- I played cricket in my childhood with my sister.
- Biden wrote a letter to the Russian President to restrain from war.

Rule 4: जिन sentence में ऐसी wish के बारे में बताया जाये जो कभी पूरी नहीं हो पाए ऐसे sentence **I wish, He/she wishes, as if, as though** से शुरू होते हैं उनमें **plural verb** का प्रयोग होता है।

Example

- If I were the prime minister of India, I would work wonders.

Future indefinite tense:

➤ The future indefinite tense, also known as the simple future tense, is used to describe actions that will happen in the future. It is used for **predictions, promises, decisions made at the moment of speaking, and future facts.**

- ✓ **Will:** He/ She/ It/ They/ You / Nouns
- ✓ **Shall:** I / We

1	Positive form	Subject + will/shall+ V ₁ + Object
2	Negative form	Subject + will/shall+ not + V ₁ + Object
3	Interrogative form	Will/ shall + subject + V ₁ + Object?

Example

- We shall go for a trip to Mount Abu tomorrow.

- Sam will go to the office tomorrow to get back his original documents lying with the staff.
- I shall certainly write to you when I reach Bengaluru.

Continuous tense:

➤ ऐसे action जो work के continue होने का बोध कराते हैं।

Present continuous tense:

➤ The present continuous tense is used to describe actions those are happening at the **moment of speaking or actions** those are happening around the present time.

- ✓ **Is:** He/ She/ It/ Noun(singular)
- ✓ **Are:** You/ We/They/ Noun(plural)
- ✓ **Am:** I

➤ **Structure**

1	Positive form	Subject + is/are/am + V _{ing} + Object
2	Negative form	Subject + is/are/am + not + V _{ing} + Object
3	Interrogative form	Is/are/am + subject + V _{ing} + Object?

Example

- Why is he crying like that?

Rule 1: Now/ Now a days/ These days / At this moment/ At this time के साथ हमेशा – is / am/are + V_{ing} का use होता है।

Example

- She is working on her project at this moment.
- People are using smartphones more these days.

Rule 2: ऐसे action जो चल रहे होते हैं लेकिन दिखाई नहीं देते हैं उन्हें बताने के लिए भी **present continuous** का use किया जाता है।

Example

- Coastal area is getting submerged.
- It appears to me that you are plotting against your friends and their parents.

Past continuous tense:

➤ The past continuous tense is used to talk about actions that were happening at a **specific time in the past**.

- ✓ **Was:** I/He/She/It/ Noun(singular)
- ✓ **Were:** we/you/ they/Noun (plural)

➤ **Structure**

1	Positive form	Subject + was/were + V _{ing} + Object
2	Negative form	Subject + was/were + not + V _{ing} + Object
3	Interrogative form	Was/were + subject + V _{ing} + Object?

Rule 1: Those days/At that moment/ At that time के साथ past continuous tense का प्रयोग किया जाता है।

Example

- a. She was studying at that moment.
- b. While I was driving the car, my brother was talking over the phone to his kid.
- c. One night, a hunter was sleeping near a river when he began to dream.
- d. The tired and vexed travellers were waiting at the airport for a long time.
- e. Nithi was not feeling well, yet she decided to go to work.
- f. Which movie were you watching on television when I called you?

Future continuous tense:

- **Will be:** He/she/it /they / you/noun
- **Shall be:** I /We
- **Structure**

1	Positive form	Subject + will be/shall be + V _{ing} + Object
2	Negative form	Subject + will/shall + not + be + V _{ing} + Object
3	Interrogative form	Will/shall + subject +be+ V _{ing} + Object?

Example

- a. She will be writing her examination by this time tomorrow.
- b. I shall be playing for four hours.
- c. In 2030, advancements in technology will be reshaping the way we live, work and interact with each other.
- d. In August, she will be enjoying all the fruits her grandmother planted last January.
- e. Sarah will be singing at the concert on Saturday.

Rules related to -ing:

कुछ **verb** ऐसी होती है जिनके साथ **ing** का प्रयोग नहीं किया जाता है इसकी वजह से इनका प्रयोग **continuous tense** में देखने को नहीं मिलता है

➤ **Verb of perception:** See/hear/think/taste/smell/recognise /notice/ prefer/ please.

➤ **Verb of thinking:** Think/mind /remember/mean/know/suppose

➤ **Verb of possession:** Own/belong/comprises/contain/consist/posses

➤ **Verb of express feeling:** Hate/love/believe/ like/dislike/want/wish/desire/ trust/ agree.

➤ **Verb in general:** Look/appear/seem/require/ refuse
इनमे से कुछ verb ऐसी होती है जिनके साथ -ing लगाकर उनका meaning बदला जाता है

➤ **Have**

✓ **Have:** Possession

✓ **Have+ -ing : Having:** Fun or eat

➤ **See**

✓ **See:** देखना

✓ **Seeing:** खोजना / मिलना

➤ **Hear**

✓ **Hear:** सुनना

✓ **Hearing:** सुनवाई

- **Look**
 - ✓ **Look:** देखना
 - ✓ **Looking:** एक तरफ देखना या गौर से देखना
 - **Feel**
 - ✓ **Feel:** महसूस करना
 - ✓ **Feeling:** to examine something by touch.
 - **Appear**
 - ✓ **Appear:** प्रतीत होना
 - ✓ **Appearing:** उपस्थित होना, प्रकाशित होने
- Note:** यदि इन verbs का प्रयोग preposition के बाद करते हे तो इनके साथ -ing form का प्रयोग होता है Example: to seeing, with hearing.

Perfect tense:

- Work has already been completed.

Present perfect tense:

- **Helping Verb**
 - ✓ **Has:**
He/she/it/name/noun(singular)
 - ✓ **Have:** You/we/they/ I / Noun (plural)
- **Structure**

1	Positive form	Subject + has/have + V ₃ + Object
2	Negative form	Subject + has/have + not + V ₃ + Object
3	Interrogative form	Has/have + subject + V ₃ + Object?

Rule 1: Just/ lately/ yet/ already/ so far/ until now इनका प्रयोग **present perfect tense** में होता है

- Sub + have/has + just + V₃ + object.
- Sub + have/has + V₃ + object + lately.

Example

- a. We haven't seen Rohit for the last two months.
- b. The construction of the new business school has led to a sudden rise in the population of our area.

- c. The recent discoveries have raised hopes about possible applications.
- d. One of my friends has gone to Goa for a holiday.
- e. Have you ever spoken to anyone about your problems?
- f. She has been me until now so don't rebuke her for getting late.
- g. I have sung 'Let It Go' before the crowd of thousands of people.

Rule 2: Since का प्रयोग **conjunction** की तरह **present perfect tense** के साथ होता है।

Example

- a. He has not taken any leave since he joined this job.

Past perfect tense:

- This tense is used to describe an **action that was completed before another action** in the past.
- ✓ **Had:** I/we/you/he/she/it/they/noun
- **Structure**

1	Positive form	Subject + had + V ₃ + Object
2	Negative form	Subject + had + not + V ₃ + Object
3	Interrogative form	Had + subject + V ₃ + Object?

Rule 1: When/ while/ before / after इनका प्रयोग past perfect tense में होता है।

- Past perfect + **when** + Past indefinite
- Past continuous **While** + Past continuous
- Past perfect + **Before** + Past indefinite
- Past indefinite + **After** + Past perfect

Example

- a. When we went to the cinema, the film had already started.
- b. The concert had started when he reached the venue.
- c. The thief had escaped before I opened the gate.